नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

तीन दिवसीय ध्रुपद महोत्सव का समापन

गायन, वादन की समृद्ध परंपरा को जीवित रखना जरूरी - सांसद रामदास तडस

वर्धा, 26 अक्तूबर 2016: ध्रुपद जैसी प्राचीन गायन की समृद्ध परंपरा को जीवित रखना आवश्यक है। गायन और वादन की

समृद्ध परंपरा को ध्रुपद महोत्सव के माध्यम से जीवित रखा जा सकता है। गांधी और विनोबा की इस पावन भूमि पर हुए इस

आयोजन से देश और दुनिया में गायन, वादन की परंपरा का संदेश प्रसारित हो सकेगा। उक्त विचार वर्धा निर्वाचन क्षेत्र के

सांसद श्री रामदास तडस ने व्यक्त किये। वे संगीत नाटक अकादमी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, महात्मा गांधी

अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विश्वविद्यालय, सावंगी, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 23 से 25 अक्तूबर को आयोजित तीन दिवसीय ध्रुपद महोत्सव के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। ध्रुपद

महोत्सव का समापन मंगलवार (तारीख 25) को दत्ता मेघे सभागार, सावंगी, वर्धा में किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। समापन समारोह में राम कुमार मलिक और समित कुमार मलिक, दिल्ली,

ज्योति हेगडे, कर्नाटक एवं ऋत्विक सान्यास, वाराणसी आदि कलाकारों की क्रमशः ध्रुपद, रुद्र वीणा और ध्रुपद गायन की

प्रस्तुतियां दी जिसे दर्शकों ने ताली की गडगड़ाहट से दाद दी। तीन दिन के इस भव्य महोत्सव में देशभर के 25 से अधिक कलाकारों ने गायन और वादन की प्रस्तुतियां दी तथा व्याख्यान भी प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में संगीत नाटक अकादमी के अधिकारी, कर्मी तथा आयोजन समितीचे डॉ. अप्रमेय मिश्र एवं जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे का कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, संगीत

नाटक अकादमी की श्रीमती विनोदी शर्मा, संजय भारद्वाज, सारंग रघाटाटे, संजय इंगले तिगांवकर सहित विश्वविद्यालय के

अध्यापक, अधिकारी, विद्यार्थी, गीत-संगीत प्रेमी नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

तीन दिवसीय ध्रुपद महोत्सव का समापन

गायन, वादनाची समृद्ध परंपरा जिवंत ठेवणे आवश्यक – खासदार रामदास तडस

वर्धा, 26 ऑक्टोबर 2016: ध्रुपद गायन आणि वादनासारखी प्राचीन कला टिकविण्यासाठी ध्रुपद महोत्सवाचे आयोजन आवश्यक आहे. महात्मा गांधी आणि विनोबा भावे यांच्या पावन भूमितून गीत आणि संगीताचे नाद देश आणि विदेशात पसरतील असे प्रतिपादन वर्धा लोकसभा मतदार संघाचे खासदार श्री रामदास तडस यांनी केले. संगीत नाटक अकादमी, संस्कृती मंत्रालय, भारत सरकार, नवी दिल्ली, महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा तसेच दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विश्वविद्यालय, सावंगी, वर्धा यांच्या संयुक्त विद्यमाने 23 ते 25 ऑक्टोबर रोजी आयोजित तीन दिवसीय भव्य ध्रुपद महोत्सवाच्या समारोप प्रसंगी ते प्रमुख पाहुणे म्हणून बोलत होते. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र होते. महोत्सवाचा समारोप मंगळवारी (तारीख 25) दत्ता मेघे सभागृहात झाला. समारोपीय कार्यक्रमात सुप्रसिद्ध कलाकार राम कुमार मलिक आणि समित कुमार मलिक, दिल्ली, ज्योति हेगडे, कर्नाटक आणि ऋत्विक सान्यास, वाराणसी यांनी ध्रुपद, रुद्र वीणा आणि ध्रुपद गायनातून उपस्थित श्रोत्यांना मंत्रमुग्ध केले. या भव्य महोत्सवात देशभरातील 25 हून अधिक कलाकारांनी गायन आणि वादनाचे सादरीकरण केले तसेच व्याख्याने दिली. कार्यक्रमाच्या शेवटी संगीत नाटक अकादमीचे अधिकारी तसेच आयोजन समितीचे डॉ. अप्रमेय मिश्र आणि जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांचा कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांच्या हस्ते सत्कार करण्यात आला. कार्यक्रमाला प्रकुलगुरु प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, संगीत नाटक अकादमीच्या विनोदी शर्मा, संजय भारद्वाज, डॉ. अप्रमेय मिश्र, सारंग रघाटाटे, संजय इंगळे तिगावकर, बी. एस. मिरगे, पदमाकर बाविस्कर, नंदकुमार वानखेडे, देवेंद्र गुजरकर, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी यांच्यासह विश्वविद्यालयाचे अध्यापक, अधिकारी, विद्यार्थी, गीत-संगीत प्रेमी नागरिक मोठया संख्येने उपस्थित होते.